Supplement—II Regd. No. CHD/0093/2015–2017

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 22-2015] CHANDIGARH, TUESDAY, JUNE 2, 2015 (JYAISTHA 12, 1937 SAKA)

General Review

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा की वर्ष 2013–14 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

दिनांक 21 मई, 2015

No. S&T/AAR/2015/915

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने अपनी गतिविधियों के संचालन पर प्लान स्कीम के अन्तर्गत 19.85 करोड़ रूपए के बजट प्रावधान के अंतर्गत 18.27 करोड़ रुपए की राशि खर्च की।
- मुख्य वैज्ञानिक, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र, हिसार को मास्को, रूस में 1 से 3 अक्तूबर, 2013 तक आयोजित 6वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए 48824 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- युवाओं को व्यवस्था का हिस्सा बनने का मौका तथा उनके नए विचारों, जिनसे कि जमीनी स्तर पर सेवाओं के व्यवस्थित निष्पादन व सुचारु क्रियान्वयन में गुणात्मक एंव मात्रात्मक रुप से सुधार हो सके, को प्रोत्साहित करने के लिए 'युवा चिंतक' नाम से एक योजना शुरु की है।
- विभाग ने राज्य के स्कूल विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन जिला, जोन व राज्य स्तर पर किया गया।
- विभाग ने कॉलेज विद्यार्थियों के लिए भी जिला, जोन व राज्य स्तर पर 'विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं' आयोजित की।
- स्कूल एवं कालेज के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान निबन्ध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्कूलों से 157 व कालेजों से 134 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- हिसार व रोहतक में दो क्षेत्रीय विज्ञान सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इन सम्मेलनों के दौरान प्रख्यात वैज्ञानिकों को विद्यार्थियों के साथ संवाद करने के लिए बुलाया गया।
- विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी फेलोशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत 21 विद्यार्थियों को फेलोशिप के लिए चुना गया।

- विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने बारे छात्रवृति स्कीम के अन्तर्गत एम.एस.सी. (प्रथम वर्ष) के 100 विद्यार्थियों एंवम बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष) के 100 विद्यार्थियों को स्कीम के मानदंड अनुसार छात्रवृति दी गई। इसके अतिरिक्त पिछले वर्ष चुने गए विद्यार्थियों को उनकी योग्यता अनुसार छात्रवृति राशि जारी रखी गई।
- सहयोगात्मक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के अर्न्तगत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की एक अनुसधान परियोजना भेजी गई।
- 8.00 लाख रुपए की तीन अनुसंधान एंव विकास परियोजनाएं अनुमोदित की गई।
- त्रैमासिक न्यूजलेटर 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी रिर्पोटर' एंव त्रैमासिक विज्ञान पत्रिका ''हरियाणा विज्ञान दर्पण'' का नियमित प्रकाशन किया गया।
- वर्ष 2011–12 के 'हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार' प्रदान करने के लिए 16 नामाकंन प्राप्त हुए तथा 'हरियाणा युवा विज्ञान रत्न पुरस्कार' के लिए 11 नामाकंन प्राप्त हुए।
- विद्यार्थियों में खगोल विज्ञान के प्रति जागरुकता पैदा करने हेतू रात के समय आकाश का अवलोकन करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- 17 जिलों के लिए जिला इनोवेशन फंड के अंतर्गत 1105.37 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई।
- शिक्षण संस्थाओं को विज्ञान एंवम प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संगोष्ठी/कार्यशालाओं के आयोजन के लिए 40,000 रु. की वित्तीय सहायता प्रदान की।
- जोनल स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए हरसक, हिसार में दो दिन की एक्सपोजर विजीट आयोजित की गई।
- वर्ष के दौरान कल्पना चावला स्मारक तारामण्डल, कुरूक्षेत्र में नियमित शो दिखाने एंव अन्य गतिविधियां आयोजित की गई। वर्ष के दौरान 1,14,433 दर्शकों ने तारामण्डल का भ्रमण किया एंव टिकट की बिक्री से 22.34 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया।
- पादप जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र में साजोसामान से युक्त प्लांट टिशु कल्चर प्रयोगशालाएं है। यह केन्द्र टिशु कल्चर तकनीक से विभिन्न प्रजातियों के पौधे विकसित कर रहा है। केन्द्र ने वर्ष के दौरान कुल 3.00 लाख रूपये का राजस्व अर्जित किया।
- हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित मुख्य परियोजनाओं पर कार्य कियाः–

1. हरियाणा के कपास उत्पादक जिलों के कपास फसल के क्षेत्रफल का पूर्वानुमान एवं बायोफिजिकल मानदंडो का अध्ययन।
2. हरियाणा राज्य के सूखा सम्भावित कृषि क्षेत्रों का अध्ययन।
3. हरियाणा के दस मुख्य धान उत्पादक जिलों में धान पुवाल जलाने वाले क्षेत्रफल का अनुमान।
4. अंतरिक्ष, कृषि मौसम विज्ञान एंव जमीनी आधार पर एकत्र किये आंकड़ो के उपयोग द्वारा फसलों के उत्पाद का पूर्वानमान।
5. विकेन्द्रीकृत योजना के लिए अन्तरिक्ष आधारित सुचना प्रणाली (SIS-DP)।
6. हरियाणा के लिए टिकाऊ (sustainable) भूमि उपयोग योजना का विकास।
7. हरियाणा के विभिन्न भागों में जलसंभर (वाटरशैड) मूल्यांकन।
8. मध्य हरियाणा में भू–सूचना प्रणाली से जल भराव (वाटर लोगिंग) व लवणता (salinity) का प्रबन्धन।
9. हरियाणा में भूमिगत जल की खोज के लिए विलुप्त जलधाराओं का संभावित स्थलों के रूप में रेखांकन।
10. राजीव गाँधी राष्ट्रीय पेयजल मिशन।
11. हरियाणा राज्य में जल शोधन प्रणाली का वैज्ञानिक मूल्याकंन (द्वितीय चरण : चयन, स्थापना और आकलन)।
12. हरियाणा में राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण परियोजना (एन.एल.आर.एम.पी.) के अन्तर्गत भूमि अभिलेखों का आधुनिकीकरण।

13. IIM कैम्पस रोहतक में भौगोलिक सूचना प्रणाली द्वारा मैंपिग।

14. हरियाणा के रेत खनन जोन की मैंपिग।

15. शहरी बुनियादी ढ़ांचे की बेस मैंपिग।

16. सिंचाई की निगरानी के लिए भू–अभिलेख आंकड़ें की मानचित्रावली।

17. पुलिस स्टेशन क्षेत्राधिकार मानचित्रावली।

18. मरुस्थलीकरण क्षेत्रों की मैंपिग (चरण–II)।

19. बड़खल झील की परिस्थितिक बहाली (Eco Restoration)।

20. हरियाणा में वन क्षेत्रों की भू–मैंपिग।

21. राष्ट्रीय भूमि प्रयोग भूमि अच्छादन विश्लेषण चक्र–2।

22. हरियाणा स्थानिक डेटा मूल संरचना का विकास।

23. दिल्ली दुग्ध योजना एटलस।

24. गुरू जम्बेश्वर विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के सहयोग से भौगोलिक सूचना प्रणाली में एम0टैक0 कोर्स।

25. हरियाणा राज्य में उपग्रह सुदूर संवेदक और भौगोलिक सुचना प्रणाली तकनीकों का उपयोग करते हुए शहरी मलिन बस्तियों और सरकारी स्वास्थय सुविधाओं का मानचित्रण।

सुमिता मिश्रा,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग।

REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2013-14

The 21st May, 2015

No. S&T/AAR/2015/915

The Science and Technology department incurred an expenditure of Rs.18.27 Crore under plan scheme against the budget provision of Rs. 19.85 Crore for implementing its activities.

- The financial assistant of Rs.48,824/- was provided to Chief Scientist, HARSAC for attending the 6th International Workshop on "Earth from Space – the most effective solutions" held at Moscow, Russia from 1st to 3rd October, 2013.
- A new scheme "Young Thinkers" was started for the youth to provide them a platform to be a part of the system and to provide new ideas which are implementable at ground level for the improvement in systematic delivery of services and channelize the energy of the youth to make a measurable and quantifiable change in the lives of citizens.
- The Department organised science quiz competitions for school students in the State. These competitions were organised at district, zonal and state level.
- The Department also organised Science quiz Competition for college students at district, zonal and state level.
- Science essay writing competition for school and college students were organised. 157 school students and 134 college students participated in the state level competitions.
- Two regional science conclaves were organised at Hisar & Rohtak. In these conclaves eminent scientists were invited to interact with the students.
- 21 students were selected for fellowship under HSCST fellowship programme.

- 100 M.Sc. (Previous) and 100 B.Sc.- 1st year students were awarded scholarships under promotion of Science Education Scheme as per the merit criteria of the scheme. Besides, the scholarships were also renewed as per eligibility of the students selected during the previous years.
- One research project proposal was submitted to DST, GOI under Collaborative Science & Technology Programme.
- Three Research & Development projects with a budget of Rs.8.00 lacs were recommended for Grant-in-Aid.
- Quarterly Newsletter "Science & Tech. Reporter" & Science Magazine "Haryana Vigyan Darpan" were published regularly.
- 16 nominations were received to award Haryana Vigyan Ratna Award and 11 nominations were received to award Haryana Yuva Vigyan Ratna Award for the year 2011-12.
- To create awareness about astronomy night sky viewing workshops were organized for school students in the office.
- The project of 17 districts amounting to Rs. 1105.37 Lacs were approved under District Innovation Fund.
- Financial assistance amounting to Rs.40000/- was released to educational institutions of the state for organization of symposium/workshop on Science & Technology.
- A two day exposure visit was organized to HARSAC, Hisar for the winners of Zonal Level Science Quiz Competition.
- Regular shows and educational activities were orgranized at the Kalpana Chawla Memorial Planetarium, Kurukshetra. 1,14,433 visitors visited the Planetarium and revenue of Rs. 22.34 Lacs was generated through sale of ticket.
- The Centre for Plant Biotechnology has well equipped plant tissue culture laboratories and it is engaged in the production of elite germplasm of several crops through tissue culture technique. The centre has generated a total revenue of Rs.3.00 lacs during the year under report.
- Haryana Space Application Centre (HARSAC), Hisar has taken up the following major projects during the year:-

    1. Cotton Crop Acreage Estimation and Biophysical Parameters Studies in Cotton Growing Districts of Haryana.
    2. Agricultural Drought Vulnerability Analysis of Haryana state using time series satellite data and Ancillary data
    3. Area Estimation of Paddy Stubble Burning in Ten Major Paddy Growing Districts of Haryana
    4. Forecasting Agricultural output using Space, Agro-meteorology and Land Based Observation
    5. Space based Information Support for Decentralized Planning (SIS-DP)
    6. Development of Sustainable Land Use Plan of Haryana
    7. Watershed Evaluation in Different Parts of Haryana
    8. Management of Waterlogging and Salinity in Central Haryana Using Geoinformatics
    9. Delineation of Palaeochannels as potential sites for Ground Water exploration in Haryana
    10. Rajiv Gandhi National Drinking Water Mission.
    11. Scientific Evaluation of Water purification Systems in State of Haryana (Phase-II: Selection, Installation & Assessment).
    12. Modernization of Land Records under NLRMP in Haryana
    13. GIS Mapping of IIM Campus, Rohtak
    14. Sand Mining Zone Mapping of Haryana
    15. Urban Infrastructure Base Mapping

16. Cadastral Data Atlas For Irrigation Monitoring
17. Police Station Jurisdiction Atlas
18. Desertification Status Mapping (Cycle II)
19. Eco Restoration of Badkahl Lake
20. Digitization of Forest Boundaries in Haryana
21. National Land Use Land Cover Analysis-Second Cycle.
22. Development of Haryana Spatial Data Infrastructure (HSDI)
23. Delhi Milk Scheme Atlas:
24. M.Tech. (Geo-informatics) Programme in collaboration with G.J.U. S&T, Hisar
25. Mapping of slums and Government health facilities in Haryana State Using Satellite Remote Sensing & GIS Techniques.

SUMITA MISRA,
Principal Secretary to Government Haryana,
Science and Technology Department.

सिविल विमानन् विभाग, हरियाणा की वर्ष 2009–2010 की प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 21 मई, 2015

क्रमांक विमानन्–ट्रेनिंग–2015/760

वर्ष 2009–2010 के दौरान हरियाणा सिविल विमान्न संस्थान के सभी सैन्टर हिसार, करनाल तथा पिंजौर लगातार फलाईगं तथा ग्लाईडिंग प्रशिक्षण प्रदान करते रहे। हरियाणा सिविल विमानन संस्थान के करनाल सैन्टर ने 1500 घण्टों की उड़ान के लक्ष्य के समक्ष 2242:15 घण्टे की उड़ान की एवं 435 धण्टे का प्रशिक्षण सिमुलेटर पर उपलब्ध करवाया। हरियाणा सिविल विमानन संस्थान के हिसार सैन्टर ने 1500 घण्टों की उड़ान के लक्ष्य के समक्ष केवल 882:35 घण्टे की उड़ान ही कर सका। हरियाणा सिविल विमानन संस्थान पिंजौर सैन्टर 1500 घण्टों की उड़ान के समक्ष केवल 158:20 घण्टे की उड़ान ही कर सका। हिसार प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान उड्डयन के क्षेत्र में 3 स्टूडैंट पायलट लाईसैंस, 3 प्राईवेट पायलट लाईसैंस, 3 कामर्शियल पायलट लाईसैंस एवं 2 इन्स्ट्रूमेन्ट रेटिंग प्राप्त किये। करनाल प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने उडडयन के क्षेत्र में 33 स्टूडैंड पायलट लाईसैंस, 11 कामर्शियल पायलट लाईसैंस, 5 प्राईवेट पायलट लाईसैंस, 3 असिस्टेंट फ्लाईट इन्सट्रक्टर रेटिग, 1 फ्लाईग इन्सट्रक्टर रेटिंग तथा 7 इन्स्ट्रूमेन्ट रेटिंग प्राप्त किये। पिंजौर प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने उड्डयन के क्षेत्र में 4 स्टूडैंट पायलट लाईसैंस प्राप्त किये।

विभाग द्वारा हरियाणा निवासी लड़के, लडकियों तथा अनुसूचित जातियों के प्रशिक्षणार्थियों को रियायती दरों पर फलाईंग का प्रशिक्षण दिया गया ।

हरियाणा सरकार एवं SRK Aviacom (I) Pvt. Ltd.,New Delhi के मध्य एक खरीद कोन्ट्रेक्ट पर इस उदेदश्य हेतु हस्ताक्षर किए गये कि एक Multi engine Elite Evolution S712 FNPT-I सिमूलेटर मशीन को यूरो 165400.00, में M/s Elite Simulation Solutions AG, Switzerland से भारत मे स्थित प्राधिकृत प्रतिनिधि SRK Aviacom (I) Pvt. Ltd., New Delhi के माध्यम से खरीदा जाए ।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान वी. आई. पी. एयरक्राफ्ट सुपरकिंग एयर B-200 एयरक्राफ्ट VT-HRA ने 255:15 घटों की फलाईंग करते हुए 299 उडानें कीं तथा EC-145 हैलीकॉप्टर VT-HRY ने 225:15 घण्टों की 314 उड़ानें बिना किसी रूकावट तथा दुर्घटना के कीं।

दिनांक 22 अप्रैल, 2015

एस. एस. ढिल्लों,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
सिविल विमान्न विभाग।

REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF CIVIL AVIATION DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2009-2010.

The 21st May, 2015

No. Aviation-Training-2015/760

During the year 2009-2010 all the Aviation centers of Haryana Institute of Civil Aviation situated at Pinjore, Karnal and Hisar continued to provide flying and gliding training. Haryana Institute of Civil Aviation, Karnal Centre did 2242:15 hours against the target of 1500 flying hours and also provides 435 hours of Simulator training. Haryana Institute of Civil Aviation, Hisar could do only 882:35 hours of flying against the target of 1500 flying hours. Haryana Inistitute of Civil Aviation, Pinjore could do flying only 158:20 hours against the target of 1500 flying hours. During the year under report pilot trainees of Hisar Aviation Centre got 3 Student Pilot License, 3 Private Pilot License, 3 Commercial Pilot License, 2 Instrument Rating in the field of flying training. The pilot trainees of Karnal Aviation centre got 33 Student Pilot License, 5 Private Pilot License, 11 Commercial Pilot License, 3 Assistant Flight Instructor Rating, 1 Flight Instructor Rating and 7 Instrument Rating in the field of flying training. The Pinjore Aviation Centre got 4 Student Pilot License in the field of flying training. The department also provided concession for flying training to the boys, girls and students of SC category of Haryana domicile.

For the purchase of Multi Engine Elite Evolution S712 FNPT-I Simulator Machine for Euro 165,400.00 from M/s ELITE Simulation Solutions AG, Switzerland through authorized representative in India i.e. SRK Aviacom (I) Pvt. Ltd., New Delhi, a purchase contract was signed between Haryana Government and SRK Aviacom (I) Pvt. Ltd., New Delhi.

During the year under report VIP aircraft Super King Air B-200 aircraft VT-HRA provided 255:15 flights of 299 hours and EC-145 Helicopter VT-HRY provided 314 flights of 225:15 hours without any interruption.

S. S. DHILLON,
Addl. Chief Secretary to Government Haryana,
Civil Aviation Department.

The 22nd April, 2015

53366—C.S.—H.G.P., Chd.